निदेशक महोदय का संबोधन

आप जानते ही हैं कि भारतीय संविधान सभा की 14 सितम्बर, 1949 को आयोजित बैठक में हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इस तिथि को यादगार बनाते हुए हम राजभाषा हिंदी के प्रति समर्पित हैं ।

हिंदी पखवाड़ा और राजभाषा हिन्दी से संबंधित इस प्रकार के समारोहों एवं कार्यक्रमों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य संकाय सदस्यों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों में राजभाषा हिंदी मे कार्य करने के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा उन्हें अपना अधिक से अधिक सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने का उत्तम प्रयास है।

वर्तमान में कोविड-19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, सामाजिक दूरी की आवश्यकता और संक्रमण से बचने की अनिवार्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रतियोगिताओं की परंपरा से हटकर ऑनलाइन कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया जिसमें परिषद के कार्मिकों के लिए स्वरचित कहानी, कविता लेखन और हिन्दी निबंध को शामिल किया गया है। जिन कार्मिकों ने भी प्रविष्टियाँ भेजी हैं वे सभी साधुवाद के पात्र हैं। इसी दौरान राजभाषा हिन्दी से संबंधित विषयों पर सकारात्मक परिचर्चाओं के साथ साथ सुनो कहानी तथा श्री सुनील जोगी,पद्मश्री द्वारा काव्य रचनाएँ भी प्रस्तुत की गईं।

इस वर्ष समारोहपूर्वक समापन समारोह का आयोजन नहीं हो पाने का हमें खेद है। मेरा आप से यह आग्रह है कि आप सभी को सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी को प्रयोग में लाने में आत्म गौरव का अनुभव करना चाहिए। भाषा का प्रयोग करने के लिए हमें आगे आने की जरूरत है। यदि हम अपनी भाषा का प्रयोग करें तो हम अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के साथ आधुनिक ज्ञान को मिलाकर और भी तेज गति से प्रगति कर सकते हैं।
मुझे इस बात की भी खुशी है कि संकाय सदस्यों ने इन कार्यक्रमों में प्रतिभागिता की है इसके लिए भाषा शिक्षा विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर संध्या सिंह एवं प्रारम्भिक शिक्षा विभाग की प्रोफेसर उषा शर्मा विशेष रूप से बधाई की पात्र हैं। यह इस बात का संकेत है कि परिषद् में हिंदी में कार्य करने के प्रति अनुकूल वातावरण बन रहा है।
हिंदी में वर्षभर अधिकाधिक प्रशासनिक कार्य करने वाले ऐसे 7 कर्मचारियों को भी बधाई देना चाहूँगा जिन्हें वार्षिक प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कार के लिए चुना गया है। वर्षभर हिन्दी मे सबसे अधिक कार्य करने हेतु राजभाषा शील्ड के स्थान पर इस वर्ष वार्षिक राजभाषा प्रोत्साहन प्रशस्ति पत्र प्राप्त करने वाले जेण्डर अध्ययन विभाग तथा सुरक्षा अनुभाग भी बधाई के पात्र हैं,

आशा है कि इनसे प्रेरणा प्राप्त करके अन्य विभाग, प्रभाग और अनुभाग भी हिंदी में अधिक से अधिक पत्राचार करने के लिए प्रयासरत होंगे।

हम चाहते हैं कि इसी प्रकार सभी अधिकारी और कर्मचारी हिंदी में काम करने के लिए आगे बढ़े ताकि भारत सरकार द्वारा हिंदी में काम करने की दिशा में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने का सामूहिक प्रयास किया जा सके।

धन्यवाद!